2 0 1 4

HINDI

(Major)

Paper : 4.1

(Chhayavad-Purv Evam Chhayavadyugin Kavyadharayen)

Full Marks : 80

Time : 3 hours

The figures in the margin indicate full marks for the questions

1. पठित पाठ के आधार पर पूर्ण वाक्य में जवाब दीजिए : 1×10=10

(क) 'यशोधरा' के कवि कौन हैं? मैथिलीशरण

(ख) माखनलाल चतुर्वेदी को 'पद्मभूषण' की उपाधि कब मिली थी? 1963

(ग) "तुझे मिली हरियाली डाली।
मुझे नसीब कोठरी काली॥"

किस कविता का अंश है?

(घ) 'कामायनी' की रचना कब हुई थी? 1935

(ङ) 'कामायनी' के अन्तिम सर्ग का नाम क्या है? आनन्द

(च) 'कामायनी' के रचनाकार का जन्म कब हुआ था? 1889

(छ) सन् 1938 में 'निराला' जी द्वारा रचित काव्य-कृति का नाम क्या है? तुलसीदास

(ज) 'निराला' की बेटी का नाम क्या था? सरोज स्मृति

(झ) भारतेन्दु हरिश्चन्द्र द्वारा सम्पादित एक पत्रिका का नाम लिखिए। कविवचन सुधा - 1868

(ञ) 'वैदेही वनवास' के कवि का नाम क्या है?
हरिऔध

2. निम्नलिखित के संक्षेप में जवाब दीजिए : 2×5=10

(क) हरिवंशराय बच्चन का संक्षिप्त साहित्यिक परिचय दीजिए।

(ख) मनु क्यों चिन्तित थे?

(ग) निराला ने अपने को क्यों निरर्थक पिता कहा है?

(घ) कवि ने किसके प्रति 'जागो फिर एक बार' कहा है?

(ङ) हरिऔध की काव्य-सम्बन्धी दो विशेषताएँ लिखिए।

3. निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** के जवाब दीजिए : 5×4=20

(क) "तुम महान, मैं लघु, पर प्यारे,
क्या न मरण भी हाथ हमारे?"

का आशय स्पष्ट कीजिए।

(ख) 'साकेत' काव्यांश में भारतीय नारी के कौन-से रूप का चित्रण हुआ है?

(ग) कवि जयशंकर प्रसाद का सम्यक् परिचय दीजिए।

(घ) 'आशा' सर्ग के माध्यम से कवि क्या कहना चाहते हैं?

(ङ) महादेवी वर्मा की कविताओं का मुख्य स्वर क्या है?

(च) आधुनिक हिन्दी काव्यधारा में 'हरिऔध' जी के महत्त्व का आकलन कीजिए।

4. निम्नलिखित की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : 8×2=16

(क) अब तक जो तेरा निग्रह था,
बस अभाव के कारण वह था।
लोभ न था, जब लाभ न यह था,
सुन अब स्वागत-भेरी!
रे मन आज परीक्षा तेरी।

अथवा

धरी-थकी अस्थियाँ लेकर करते जाओ कूच सखे,
पथ जैसा है वैसा ही है निरखो नीच न ऊँच सखे।

(ख) बुद्धि, मनीषा, मति, आशा, चिन्ता तेरे हैं कितने नाम।
अरी पाप है तू, जा, चल जा, यहाँ नहीं कुछ तेरा काम॥

अथवा

कब तक और अकेले? कह दो हे मेरे जीबन बोलो?
किसे सुनाऊँ कथा? कहो मत, अपनी निधि न व्यर्थ खोलो।

5. निम्नलिखित के सम्यक् जवाब दीजिए : 12×2=24

(क) 'नौका-विहार' कविता के प्रतिपाद्य को स्पष्ट कीजिए।

अथवा

'कामायनी' के चिन्ता सर्ग के प्रतिपाद्य की समीक्षा कीजिए।

(ख) "माखनलाल चतुर्वेदी की रचनाओं का प्रधान स्वर राष्ट्रप्रेम और आत्मोत्सर्ग का है।" सतर्क पुष्टि कीजिए।

अथवा

महादेवी वर्मा की काव्य-प्रतिभा पर एक लेख प्रस्तुत कीजिए।

★★★